केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 133 शुक्रवार 6 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अखिल भारतीय पंचायत परिषद के चुनाव में हिस्सा लेंगे राना दिनेश प्रताप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहादुरपुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह 14 व 15 दिसम्बर को अखिल भारतीय पंचायत परिषद के चुनाव में हिस्सा लेने दिल्ली जाएंगे। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित 11 कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन होना है। श्री राना के साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों से 40 अन्य सदस्य उत्तर प्रदेश की तरफ से मतदान में प्रतिभाग करेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए श्री राना ने बताया कि गुजरात, हरियाणा, मेघालय, आंध्र प्रदेश, असम , कर्नाटक, बिहार सहित 26 प्रदेशों के 315 प्रतिनिधि इस चुनाव में हिस्सा लेंगे। अखिल भारतीय पंचायत परिषद देश में लगभग सात दशकों से पंचायत प्रतिनिधियों का नेतृत्व कर रहा है। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था और नगर निकायों में निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को जवाबदेह और अधिकार संपन्न बनाने के लिए कार्य कर रही पंचायत परिषद का दिल्ली स्थित मयूर विहार फेज 1 स्थित केन्द्रीय कार्यालय में मतदान होना है। उन्होंने बताया कि बलवंत राय मेहता, लोक नायक जय प्रकाश नारायण सहित आठ बड़ी हस्तियां अब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी है। भारत के पूर्ण केंद्रीय मंत्री श्री सुबोध कांत सहाय वर्तमान में राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद श्री आर के सिन्हा संरक्षक का दायित्व निभा रहे हैं।

मण्डलायुक्त 7 को करेंगे मतदाता पंजीकरण का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यों का मण्डलायुक्त/ रोल प्रेक्षक अखिलेश सिंह द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर में द्वितीय भ्रमण आगामी 7 दिसम्बर शनिवार को प्रातः 10.30 बजे से प्रत्येक विधानसभा के मतदाता पंजीकरण केन्द्र का निरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित है।

25 दिसम्बर तक होगा खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । एन.एफ.एस.ए. से आच्छादित अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को आगामी 07 से 25 दिसम्बर 2024 के मध्य खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण ई–पास मशीन से किया जायेगा। उक्त जानकारी जिलापूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह ने दी है। उन्होने बताया कि अन्त्योदय कार्डधारको को प्रति कार्ड कुल 35 किग्रा., जिसमें 17 किग्रा. गेहूँ एवं 18 किग्रा. चावल तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारको को प्रति यूनिट कुल 05 किग्रा., जिसमें 02.30 किग्रा. गेहूँ एवं 02.70 किग्रा. चावल का निःशुल्क वितरित किया जायेगा। उन्होने यह भी बताया है कि अन्त्योदय कार्डधारको को प्रति कार्ड रू. 18 प्रति किग्रा. की दर से 03 किग्रा. चीनी का वितरण किया जायेगा।

उन्होने बताया कि आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त ना कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाईल ओ.टी.पी. वेरिफिकेशन (प्राक्सी) के माध्यम से वितरण किया जायेगा।

मत्स्य पालन के लिये मांगा तालाबों की सूची

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती मण्डल के तीनों जनपदों में जलक्षेत्र की अधिकता, उपयुक्त मिट्टी एवं वर्षा की अधिकतावश मत्स्य पालन एवं सम्वर्धन की अपार सम्भावनाए है। उक्त जानकारी देते हुए उप निदेशक मत्स्य जी.सी. यादव ने बताया कि संबंधित मत्स्य अधिकारियों को शासन एवं विभागीय महानिदेशक ने निर्देशित किया है कि सभी उप निदेशक एवं सहायक निदेशक मत्स्य जनपदवार मण्डलीय बस्ती में हुये ग्रामसभा के मत्स्य पालन योग्य पाए गये तालाबों की सूची बनाकर निदेशालय भेजे ताकि अवशेष जल मत्स्य क्षेत्रों की जानकारी हो सकें और उक्तानुसार विभाग द्वारा जनपदों में ग्रामसभावार मत्स्य पालन पर्याप्त क्षेत्र में कराई जा सकें।

निशिकांत दुबे के बयान पर लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली (आभा)। संसद के शीतकालीन सत्र का आज नौवा दिन था। नवें दिन लोकसभा में जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। निशिकांत दुबे के एक बयान को लेकर विपक्ष भड़क गया। वहीं राज्यसभा में कुछ काम का जरूर हुआ। लेकिन विपक्ष का हंगामा भी समय–समय पर जारी रहा। वहीं, भारतीय वायुयान विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि छह हवाई अड्डों को गहन, प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से अदाणी समूह को पट्टे पर दिया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से नियम एवं प्रक्रियाओं का पालन करने और सदन में बिल्ले आदि लगाकर नहीं आने का आग्रह किया।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा कांग्रेस के खिलाफ लगाए गए कुछ आरोपों पर विपक्ष के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद फिर शुरू होने पर कुछ ही मिनट के अंदर दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। दुबे ने लोकसभा में शून्यकाल में कांग्रेस को घेरने का प्रयास करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से पूछने के लिए कुछ सवाल उठाए जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया और दोनों पक्षों की नोकझोंक के बीच सदन की बैठक दोपहर करीब 12 बजकर 10 मिनट पर अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

इधर हटाया, उधर पक्के में फिर अतिक्रमण, सड़क तक कब्जा, होती है वसूली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अतिक्रमण हटाने के लिए निकली नगर पालिका बस्ती की टीम के गुजरने के साथ ही गांधीनगर व पक्के की सड़कों पर अतिक्रमणकारियों ने दोबारा कब्जा कर लिया। टीम की इस कार्रवाई को लोगों ने एक क्रूर मजाक करार दिया है। लोगों का कहना है कि इस तरह के दिखावे की कार्रवाई से गांधीनगर बाजार अतिक्रमण से कभी मुक्त नहीं हो सकता है। अतिक्रमण कारियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारियां लगभग एक माह से नपा प्रशासन की ओर से की जा रही थी। अतिक्रमण हटाने के लिए बाकायदा प्रचार करके लोगों को चेतावनी जारी की गई। कुछ दिन पूर्व नगर पालिका की टीम लंबे चौड़े काफिले के साथ सड़क पर उतरी और सड़क पर अतिक्रमण किए व्यापारियों को घूम–घूमकर चेतावनी दी गई। बुधवार को एक बार फिर नपा की टीम अधिशासी अधिकारी सुनिष्ठा सिंह के नेतृत्व में बाकायदा जेसीबी और ट्रॉलियों का लंबा काफिला व नपा कर्मियों की भारी भरकम फौज लेकर सड़क पर उतरीं।

लोगों का कहना है कि आज की भी नपा प्रशासन की कार्रवाई महज एक दिखावा से अधिक कुछ नहीं थी। अधिशासी अधिकारी अपनी टीम के साथ अतिक्रमणकारियों को जब चेतावनी दे रही थीं, उस समय उन लोगों ने अपनी दुकानें आदि सड़क से हटा लीं। टीम के आगे बढ़ने के साथ ही सड़क पर दोबारा कुछ ही देर बाद अतिक्रमणकारियों का कब्जा हो गया।

इस समय गांधीनगर की मूल समस्या यह है कि सड़क की दुकानों व घरवालों ने नपा की पटरियों को अतिक्रमणकारियों के हाथों बेच दिया है। यह लोग उन अतिक्रमणकारियों से हर माह मोटी रकम वसूल रहे हैं। जो दुकानें सड़क की पटरियों पर लगाई जा रही है, उसमें फल, कपड़ा, जूस सहित अन्य सामान की दुकानें शामिल हैं। कुछ दुकान वालों ने तो बाकायदा पक्की सड़क तक कब्जा कर रखा है। पैदल चलने वालों को मजबूरन पक्की सड़क पर चलना पड़ता है। इससे हमेशा हादसे का डर बना रहता है।

16 करोड़ की लागत से बनेगा पुरानी बस्ती थाना, एसपी ने किया शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुरानी बस्ती थाने के लिए प्रस्तावित नए भवन का गुरुवार को भूमि पूजन किया गया। एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने नारियल फोड़कर नींव की पहली ईंट रखा। एएसपी ओपी सिंह, सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी की मौजूदगी में प्रस्तावित जमीन का पूजन पूरे विधि विधान से किया गया। 16.84 करोड़ रुपये की लागत से 1.0125 हेक्टेयर भूमि पर थाने का प्रशासनिक भवन, थानाध्यक्ष आवास, मुख्य आरक्षी, आरक्षी आवास और बाउण्ड्री का निर्माण किया जाएगा।

पुरानी बस्ती थाना इस समय जर्जर भवन में चल रहा है। जहां काफी घनी आबादी के बीच है। यहां से पुलिसकर्मियों को कहीं आने जाने में काफी पसीना बहाना पड़ता है। नया थाना भवन, आवास के लिए हाईवे किनारे पालीटेक्निक कालेज के बगल में जमीन पहले से ही आवंटित है।पहले शहर और निकटवर्ती गांव कोतवाली थाने में पड़ते थे। पुरानी बस्ती उसकी चौकी थी। सन 1998 में उसे थाने का दर्जा दे दिया गया, लेकिन जमीन उपलब्ध न हो पाने से उसी चौकी की भूमि पर थाना शुरु हो गया।

राहुल, प्रियंका को संभल जाने से रोका तो कांग्रेस ने कैन्डिल जलाकर किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संभल हिंसा से पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाने जा रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी को गाजीपुर बॉर्डर पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स लगाकर जबरिया रोके जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से बीडीए परिसर में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष कैंडल जलाकर प्रदर्शन किया गया। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' की अगुवाई में इकट्ठा हुये पार्टी नेताओं ने मामले को नेता प्रतिपक्ष के अधिकारों का हनन करार देते हुये योगी सरकार पर संभल हिंसा के पीछे का सच छिपाने का आरोप लगाया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अकेले बगैर किसी को साथ लिये पुलिस की गाड़ी में बैठकर संभल जाने को तैयार थे लेकिन सरकार के इशारे पर कानून व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही पुलिस को ये भी मंजूर नही था। इसका सीधा मतलब है कि संभल का सच सामने आने से रोका जा रहा है। निश्चित रूप से नेता प्रतिपक्ष संभल जायेंगे और हिंसा के पीछे का सच देशवासियों के सामने आयेगा। कांग्रेस नेता ने कहा संभल में हुई हिंसा संयोग मात्र नही है। यह बड़ी चालाकी से रची गई साजिश है जिसकी कीमत 5 मुस्लिम युवकों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उन्होने पीड़ित परिवारों के लिये न्याय व यूपी में सामाजिक सौहार्द कायम रहने के लिये ईश्वर से प्रार्थना किया।

प्रवक्ता मो. रफीक खां ने कहा मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के हिंसक बयानों के चलते उ.प्र. में हिंसा का माहौल बन गया है। कैंडल जलाकर सामाजिक सौहार्द व योगी मोदी की सद्बुद्धि के लिये प्रार्थना करने वालों में प्रमुख रूप से सुरेन्द्र मिश्रा, शौकत अली नन्हू, गिरजेश पाल, अवधेश सिंह, बृजेश पाण्डेय, अलीम अख्तर, सुनील पाण्डेय, विनय तिवारी, अकरम, डा. वाहिद सिद्दीकी, महेन्द्र श्रीवास्तव, मो. असरफ अली, आशुतोष पांडे एडवोकेट, अमित प्रताप सिंह, रवीन्द्र कुमार, जय प्रकाश, इजहार अहमद, सीताराम पाण्डेय, गुड्डू सोनकर, मंजू पाण्डेय, सुजीत शुक्ल, अजय कुमार, सरवर अंसारी, करीम अहमद, अनूप पाठक, अशोक श्रीवास्तव, शब्बीर अहमद, मोनू यादव, आनंद निषाद आदि उपस्थित थे।

दबंगों ने ट्रैक्टर से जोत दिया आलू की फसल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसुरामपुर थानाक्षेत्र के रगघुपुर गांव में कुछ दबंगों ने ट्रैक्टर से आलू की फसल को जोतकर बर्बाद कर दिया। आलू के फसल की जुताई करते देखकर दूसरे पक्ष के लोगों ने जब ऐतराज किया तो दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। दोनों पक्षों के लोगों ने एक–दूसरे पर खूब ईंट–पत्थर चलाया। मारपीट में दोनों पक्षों से दो लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इस मामले में तहरीर के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि, (आभा) पत्र वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। पुलिस के मुताबिक मंजू देवी पत्नी महेश ने अपने सहन के पास की जमीन दो साल पूर्व बैनामा कराकर आलू की बुआई की थी। उस जमीन में गांव का एक व्यक्ति अपना हिस्सा बताते हुए ट्रैक्टर से जुताई कर दी। पीड़िता मंजू देवी ने जब इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में दो लोग घायल हो गए। दोनों का इलाज हो रहा है। इस बाबत थाना प्रभारी दिनेश कुमार चौधरी ने कहा कि इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज के मामले आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कड़ी निगरानी में होगा मालवीय रोड़ सड़क का निर्माण

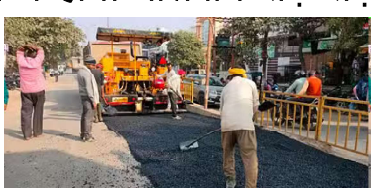

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मालवीय रोड के हो रहे निर्माण कार्य पर नजर रखने के लिए प्रशासन की ओर से अभियंताओं की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। यह टीम बस्ती विकास प्राधिकरण (बीडीए) की ओर से कराए जा रहे मालवीय रोड के निर्माण कार्य की गुणवत्ता का अनुश्रवण करेंगे। एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि बीडीए की ओर से सुभाष तिराहे से नेहरू तिराहे तक मालवीय रोड का सुदृढीकरण व मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। इस कार्य के अनुश्रवण के लिए अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अवधे कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है।

टीम में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता उमेश चंद्र विश्वकर्मा व जेई राम शक्ल यादव को शामिल किया गया है। काफी समय से जर्जर रही मालवीय रोड का निर्माण लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है। निर्माण का जिम्मा बीडीए को दिया गया है। पिछले बुधवार से सड़क का कार्य शुरू हुआ। आरोप है कि सड़क पर मौजूद गड्ढों की पैचिंग किए बिना ही सीधे सड़क पर हॉट मिक्स प्लांट से सड़क निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा था। इसे लेकर काफी हंगामा हुआ। इसके बाद मौके पर पहुंचे एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान ने काम रुकवा दिया। काम कर रहे ठेकेदार को निर्देशित किया गया कि सबसे पहले गड्ढों की पैचिंग कराई जाए उसके बाद हॉट मिक्स प्लांट से सड़क बनाई जाए।

देवेन्द्र फडणवीस मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे और अजित पवार बने उप मुख्यमंत्री

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन को मिले बंपर बहुमत के बाद देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। देवेंद्र फडणवीस के अलावा शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुंबई में देवेंद्र फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए की ताकत देखने को मिली।

ज्ञात रहे कि पिछले ढाई सालों तक एकनाथ शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री रहे, जबकि फडणवीस और अजित पवार ने डिप्टी सीएम पद की जिम्मेदारी संभाली। 23 नवंबर को आए महाराष्ट्र के नतीजों में महायुति गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 230 सीटें जीत लीं। बीजेपी 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जिसके बाद फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

पूरे देश के एनडीए के दिग्गज नेता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। देवेंद्र फडणवीस को राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने शपथ दिलाई।

इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इसके अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल भी इस समारोह में शामिल हुए। बॉलीवुड स्टार्स रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, सलमान खान समेत तमाम जाने–माने एक्टर्स भी पहुंचे ।

झोपडी मे लगी आग नकदी समेत पाच बकरी जली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के जिमियांव में गुरुवार को अज्ञात कारणों से रिहायशी झोपड़ी में आग लगने से राशन व घरेलू सामान सहित लाखो रुपया व आभूषण जल कर राख हो गया। घर में रखा एक सिलेंडर भी फट गया। जिसका अवशेष तीन झोपडी पर जा गिरा और धू–धू कर जलने लगा। ग्रामीणो ने बड़ी मेहनत से आग को बुझाया। गांव के अली हसन पुत्र असगर अली अपने घर में कपड़े की सिलाई कर रहे थे। तभी आग की लप उठी तो बाहर निकल देखा छप्पर जल रहा था। जब तक कुछ समझ पाते तब तक पडोसी इसरार अहमद पुत्र अली हसन, निसार पुत्र अली हसन, कुतबुनिशा पत्नी मोहम्मद रजा, असलम पुत्र मोहम्मद रजा के घर को भी अपने चपेट में ले लिया और घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। शोर सुनकर आसपास के लोग जब तक पहुचे तब तक असलम के घर में रखा गैस सिलेंडर फट गया और भगदड़ मच गया।

मेधा ने किया बाबा साहब को नमन्: गरीब छात्रों को अधिकार के लिये जारी रहेगा संघर्ष– दीन दयाल त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को नगर पालिका परिषद के परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् किया।

प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि बाबा साहब ने जिस असमानता की खाई को पाटने के लिये मुहिम छेड़ा था वह आज गहरी होती जा रही है। कहा कि छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति छात्रों की शिक्षा के लिये बडा आधार है किन्तु उसे एक–एक समाप्त किया जा रहा है। कहा कि 6 वर्ष से 14 वर्ष के निर्धन छात्रों का निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के नियम का पालन कराने के लिये मेधा संघर्षरत है। अभियान चलाकर शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त धनादोहन, भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है और 1500 से अधिक अभिभावकों और छात्रों ने सहमति पत्र भरा है। कहा कि 6 वर्ष से 14 वर्ष के निर्धन छात्रों का निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के नियम का पालन कराने के लिये मेधा संघर्षरत है।

बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में मुख्य रूप से सूर्य कुमार शुक्ल, उमेश पाण्डेय मुन्ना, रुद्र आदर्श पाण्डेय, राहुल तिवारी, विनोद प्रमोद यादव, उमेश गुप्ता, अंशू चौरसिया, चन्द्रमोहन लाल श्रीवास्तव, अविनाश, विकास आदि शामिल रहे।

निर्माण कार्यो में मनमानी का आरोप डीएम को सौपा पत्रः कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को बभनान नगर पंचायत बचाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष दीपक जायसवाल और समासद प्रतिनिधि अभिषेक कसौधन दीपू ने जिलाधिकारी को पत्र देकर नगर पंचायत बभनान बाजार में कराये जा रहे विकास कार्यो के घटिया निर्माण की स्थलीय जांच कराकर दोषी अधिकारी, ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई और धन की रिकबरी कराये जाने की मांग किया है।

डीएम को सौंपे पत्र में दीपक जायसवाल और अभिषेक कसौधन दीपू ने बताया कि आदर्श बभनान नगर पंचायत के सभी 14 वार्डो में नाली, सी.सी. रोड, सड़क निर्माण में बड़े पैमाने पर मनमानी के साथ ही अधोमानक सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। ये घटिया निर्माण चंद दिनों में टूट जायेंगे और केवल सरकारी धन का बन्दरबांट हो रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष, अधिशाषी अधिकारी और विभागीय अधिकारी जनता की शिकायतों पर चुप्पी साधे हुये हैं। उनकी मिलीभगत से पेयजल, स्ट्रीट लाइट के साथ ही अन्य कार्यों में बड़े पैमाने पर मनमानी की जा रही है। मांग किया कि आर्थिक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिये निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

कांग्रेस नेता महेन्द्र ने शुरू किया विकास कार्यो के सूचना मांगने का अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस आरटीआई विभाग द्वारा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिये सूचना अधिकार के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज से ग्राम पंचायत माझा के ग्राम प्रधान द्वारा कराये गये विकास कार्यों के सम्बन्ध में 7 बिन्दुओं पर जानकारी मांगी है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिये पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने ग्राम पंचायतों को सीधे धन देने की व्यवस्था किया। इसके चलते देश के अनेक गांवों की सूरत बदल गई किन्तु कुछ ग्राम प्रधान सचिव से मिलीभगत कर ग्राम पंचायतों में आने वाले धन का खुला बंदरबाट कर रहे हैं। इस कारण से विकास की गति अत्यन्त धीमी है। कांग्रेस ने घूस को घूसा दिखाने के लिये देश को सूचना का अधिकार दिया। दुर्भाग्य से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश के आम जनता को जो अधिकार दिया भाजपा की सरकार में उसे भोथरा कर दिया गया है। अधिकारी जनहित की सूचना देने में भी आनाकानी करते हैं। इसके बावजूद कांग्रेस का जनहित में यह अभियान जारी है।

खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज से ग्राम पंचायत माझा के ग्राम प्रधान द्वारा कराये गये विकास कार्यों आवास, शौचालय, मनरेगा, सचिवालय निर्माण आदि के सम्बन्ध में विवरण मांगा है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 दिसम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

तारीख पर तारीख.!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस सप्ताह 3 नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता की समीक्षा की। जिन कानूनों ने सदियों पुराने ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता और आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदल दिया था, उन्हें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम से बदल दिया गया। नए कानून इस साल 1 जुलाई से लागू हो गए और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ ने नए कानूनों का 100 प्रतिशत कार्यान्वयन करने वाला देश का पहला राज्य होने का गौरव हासिल किया है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने दावा किया कि नए आपराधिक कानूनों के तहत त्वरित न्याय वितरण प्रणाली संभव हो गई है।

उन्होंने एक बॉलीवुड फिल्म की मशहूर पंक्तियां 'तारीख पर तारीख' उद्धृत करते हुए कहा कि ऐसे दिन अब लद गए हैं। उन्होंने बताया कि नए कानूनों के तहत अभियोजन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने चंडीगढ़ में वाहन चोरी के एक मामले में एक अभियुक्त को केवल 2 महीने में सजा मिलने और एक अन्य अभियुक्त को एफ.आई.आर. दर्ज होने के 60 दिनों के भीतर 20 साल की सजा मिलने का उदाहरण दिया। यह एक स्वागतयोग्य परिदृश्य है और सच होने के लिए बहुत अच्छा लगता है। हम सभी जानते हैं कि विभिन्न अदालतों में मामले वर्षों तक लंबित रहते हैं और कुछ तो कई दशकों से लंबित थे।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि देश की अदालतों में लंबित मामलों की कुल संख्या 5 करोड़ से अधिक हो गई है! जाहिर तौर पर लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए कई कदम उठाए जाने की आवश्यकता है और यदि ये लंबित मामलों के शीघ्र समाधान की दिशा में एक कदम है तो हर किसी को नए कानूनों का स्वागत करना चाहिए। हालांकि सरकार को बैकलॉग निपटाने के लिए कई और कदम उठाने की जरूरत है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सरकारें, अब तक, सबसे बड़ी वादी हैं और लगभग 70 प्रतिशत मामलों में 'स्टेट' एक पक्ष के रूप में होती है। जबकि 'स्टेट' अपराध और कानून–व्यवस्था के मामलों में स्वचालित रूप से एक पक्ष बन जाती है।

अनावश्यक अपील दायर करने की प्रवृत्ति अदालतों पर बोझ बढ़ाती है और अन्य मामलों में प्रक्रियाओं को धीमा कर देती है। यदि सरकारी वकील कोई वैध कारण बताए बिना स्थगन चाहता है तो पहले कदम के रूप में स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए। केंद्र में सॉलिसिटर जनरल और उच्च न्यायालयों में एडवोकेट जनरलों के अलावा अधीनस्थ न्यायपालिका में लोक अभियोजकों सहित सरकारी अधिवक्ताओं के बीच समीक्षा अपील दायर करके किसी भी जिम्मेदारी को पारित करने की प्रवृत्ति होती है, चाहे उसमें योग्यता हो या नहीं। इसे 'रक्षात्मक मुकद्दमेबाजी' कहा जाता है जहां सरकारी वकील मामले को बंद करने और बाद में अधिकारियों द्वारा दोषी ठहराए जाने की कोई जिम्मेदारी लेने से बचते हैं। सरकार को केवल ऊपरी अदालतों में अपील करने से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिएं।

न्यायाधीशों की गंभीर कमी, जिसके लिए सरकार के साथ–साथ न्यायपालिका को भी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, न्याय मिलने में देरी का कारण बनती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में देश के उच्च न्यायालयों में 45 प्रतिशत से अधिक रिक्तियां हैं। एक दशक पहले विधि आयोग ने न्यायाधीशों की संख्या प्रति 10 लाख लोगों पर 10 न्यायाधीशों से बढ़ाकर 50 न्यायाधीशों तक करने की सिफारिश की थी, लेकिन इस बारे में बहुत कम काम किया गया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पिछले हफ्ते राज्यसभा को सूचित किया था कि अधीनस्थ और जिला अदालतों में 5,000 से अधिक न्यायाधीशों की कमी है, जबकि 25 उच्च न्यायालयों में सामूहिक रूप से 360 से अधिक रिक्तियां हैं। जबकि नए कानूनों में निर्धारित समय सीमा का स्वागत है, सरकार को न्याय वितरण प्रणाली में बाधाओं की व्यापक समीक्षा करनी चाहिए और शीघ्र न्याय चाहने वाले लाखों लोगों को राहत प्रदान करनी चाहिए।

सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के यौद्धा बाबा साहेब

—डॉ.सौरभ मालवीय —

देश में सामाजिक समता एवं सामाजिक न्याय के लिए प्रमुखता से स्वर मुखर करने वालों में डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर का नाम अग्रणीय है। उन्होंने बाल्यकाल से ही अस्पृश्यता का सामना किया था। विद्यालय से लेकर नौकरी तक उन्होंने भेदभाव का दंश झेला। इससे उनकी आत्मा चीत्कार उठी। उन्होंने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने देशभर की यात्रा की तथा दलितों के अधिकारों के लिए स्वर मुखर किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अस्पृश्यता के उन्मूलन के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि सेवक बनकर ही कोई बड़ा कार्य किया जा सकता है। इसलिए वह कहते थे– "एक महान आदमी एक आम आदमी से इस तरह से अलग है कि वह समाज का सेवक बनने को तैयार रहता है।"

डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने सामाजिक समरसता का जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभियान चला रहा है। वास्तव में संघ अपने स्थापना काल से ही सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगवार ने सामाजिक समरसता, एकता, अखंडता एवं सशक्त समाज के निर्माण के उद्देश से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उनका कहना था कि हमारा निश्चय एवं स्पष्ट ध्येय ही हमारी प्रगति का मूल कारण है। हम लोगों को हमेशा सोचना चाहिए कि जिस कार्य को करने का हमने प्रण किया है, और जो उद्देश्य हमारे सामने है, उसे प्राप्त करने के लिए हम कितना कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक अधिकारी एवं शिक्षक को प्रत्येक के मन में यह विचार भर देना चाहिए कि मैं स्वयं ही संघ हूं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने चरित्र पर विचार करना चाहिए। अपने चरित्र को कभी भी कमजोर व क्षीण न होने दें। आप इस भ्रम में न रहें कि लोग हमारी ओर नहीं देखते। वे हमारे कार्य तथा हमारे व्यक्तिगत आचरण की ओर आलोचनात्मक दृष्टि से देखते हैं। हमें केवल अपने कार्य में व्यक्तिगत चाल–चलन की दृष्टि से सावधानी नहीं बरतनी चाहिए, अपितु सामूहिक एवं सार्वजनिक जीवन में भी इसका ध्यान रखना चाहिए।

वह कहते थे कि बिना कष्ट उठाए और बिना स्वार्थ त्याग किए, हमें कुछ भी फल मिलना असंभव है। अपने समाज में संगठन निर्माण कर उसे बलवान तथा अजेय बनाने के अतिरिक्त हमें और कुछ नहीं करना है। इतना कर देने पर सारा कार्य स्वयं ही हो जाएगा। हमें आज सताने वाली सारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। अनुशासन अपने संगठन की नींव है, इसी पर हमें विशाल इमारत को खड़ा करना है। किसी भी भूल से यदि नींव जरा सी भी कच्ची रह गई, तो इमारत का उस ओर का भाग ढल जाएगा। इमारत में दरार पड़ जाएगी और आखिर में वह संपूर्ण इमारत ढह जाएगी। जीवन में निस्वार्थ भावना आए बिना खरा अनुशासन निर्माण नहीं होता।

सामाजिक समरसता के बारे में उनका कहना था कि संघ का लक्ष्य भारत राष्ट्र को पुनः परम वैभव तक ले जाना है। समरसता के बिना, समता स्थायी नहीं हो सकती, और दोनों के अभाव में राष्ट्रीयता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारा कार्य अखिल हिंदू समाज के लिए होने के कारण, उसके किसी भी अंग की उपेक्षा करने से काम नहीं चलेगा। सभी हिंदू भाइयों के साथ फिर वह किसी भी उच्च या नीच श्रेणी के समझे जाते हों, हमारा व्यवहार हर एक से प्रेम का होना चाहिए। किसी भी हिंदू भाई को नीच समझकर उसे दुत्कारना पाप है। वह कहते थे कि संघ का कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए हमें लोक संग्रह के तत्वों को भली भांति समझ लेना होगा। संघ केवल स्वयंसेवकों के लिए नहीं, अपितु संघ के बाहर जो लोग हैं, उनके लिए भी है। हमारा यह कर्तव्य हो जाता है कि उन लोगों को हम राष्ट्र के उद्धार का सच्चा मार्ग बताएं। वयोवृद्ध लोगों का संघ कार्य में काफी महत्वपूर्ण स्थान है। वे संघ के महत्वपूर्ण कार्यों का दायित्व उठा सकते हैं। यदि प्रौढ़ लोग अपने प्रतिष्ठा और व्यवहार कुशलता का उपयोग संघ कार्य किए तो करें, तो युवा अधिक उत्साह से कार्य कर सकेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को उत्साह और हिम्मत से आगे आना चाहिए, और संघ कार्यों में जुट जाना चाहिए। इस समाज को जागृत एवं संगठित करना ही राष्ट्र का जागरण एवं संगठन है। यही राष्ट्र धर्म है। ध्येय पर अविचल दृष्टि रखकर, मार्ग में मखमली बिछौने हो या कांटे बिखरे हों, उनकी चिंता न करते हुए निरंतर आगे ही बढ़ने को दृढ़ निश्चय वाले क्रियाशील तरुण खड़े करने पड़ेंगे। पूर्ण संस्कार दिए बिना, देशभक्ति का स्थाई स्वरूप निर्माण होना संभव नहीं है तथा इस प्रकार की स्थिति का निर्माण होने तक सामाजिक व्यवहार में प्रमाणिकता भी संभव नहीं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ने सामाजिक समरसता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि समरसता के लिए आत्मग्लानि दूर करने के लिए आत्मबोध को जगाना पड़ेगा, स्वार्थ के स्थान पर निस्वार्थ भाव का निर्माण करना पड़ेगा। सभी भेदों को भुलाकर एकात्मकता का भाव जागृत करना पड़ेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। महात्मा गांधी भी संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्होंने वर्ष 1934 में वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शिविर देखा था, जिसमें सभी जातियों के लोग सम्मिलित हुए थे। इसमें दलित समाज के लोग भी थे। उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था कि आपके संगठन में अस्पृश्यता का अभाव देखकर मैं बहुत संतुष्ट हूं।

इसी प्रकार डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्हें वर्ष 1939 में पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अनुभव किया कि शिविर में सभी जातियों के लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसमें दलित समाज के लोग भी सम्मिलित थे। शिविर में सबके साथ समान व्यवहार किया जा रहा था।

उल्लेखनीय है कि हमारे पवित्र धार्मिक ग्रंथों में समरसता का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। भगवदगीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा है– "पंडितारू समादर्शिनरू" अर्थात विद्वान सबको समान दृष्टि से देखते हैं। कहने का अभिप्राय है कि विद्वान सबको समान मानते हैं तथा वे किसी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करते।

भीमराव आम्बेडकर समानता पर सर्वाधिक बल देते थे। वह कहते थे कि अगर देश की अलग–अलग जातियां एक दूसरे से अपनी लड़ाई समाप्त नहीं करेंगी, तो देश एकजुट कभी नहीं हो सकता। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते, हमारे पास यह आजादी इसलिए है ताकि हम उन चीजों को सुधार सकें, जो सामाजिक व्यवस्था, असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी है जो हमारे मौलिक अधिकारों के विरोधी हैं। एक सफल क्रांति के लिए केवल असंतोष का होना ही काफी नहीं है अपितु इसके लिए न्याय, राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों में गहरी आस्था का होना भी बहुत आवश्यक है। राजनीतिक अत्याचार सामाजिक अत्याचार की तुलना में कुछ भी नहीं है और जो सुधारक समाज की अवज्ञा करता है, वह सरकार की अवज्ञा करने वाले राजनीतिज्ञ से ज्यादा साहसी हैं। जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता हासिल नहीं कर लेते तब तक आपको कानून चाहे जो भी स्वतंत्रता देता है वह आपके किसी काम की नहीं। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते हैं तो सभी धर्म–शास्त्रों की संप्रभुता का अंत होना चाहिए।

भीमराव आम्बेडकर ने दलित समाज के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उनका कहना था कि आप स्वयं को अस्पृस्य न मानें, अपना घर साफ रखें। पुराने और घिनौने रीति–रिवाजों को छोड़ देना चाहिए। हमारे पास यह आजादी इसलिए है ताकि हम उन चीजों को सुधार सकें जो सामाजिक व्यवस्था, असमानता, भेद–भाव और अन्य चीजों से भरी हैं जो हमारे मौलिक अधिकारों की विरोधी हैं। राष्ट्रवाद तभी औचित्य ग्रहण कर सकता है, जब लोगों के बीच जाति, नस्ल या रंग का अंतर भुलाकर उसमें सामाजिक भ्रातृत्व को सर्वोच्च स्थान दिया जाए।

वह कहते थे कि आदि से अंत तक हम सिर्फ एक भारतीय है। हम जो स्वतंत्रता मिली हैं उसके लिए क्या कर रहे हैं? यह स्वतंत्रता हमें अपनी सामाजिक व्यवस्था को सुधारने के लिए मिली हैं। जो असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी हुई है, जो हमारे मौलिक अधिकारों के साथ संघर्ष करती है। स्वोतंत्रता का अर्थ साहस है, और साहस एक पार्टी में व्यात्कियों के संयोजन से पैदा होता है। वह यह भी कहते थे कि देश के विकास के लिए नौजवानों को आगे आना चाहिए। पानी की बूद जब सागर में मिलती है तो अपनी पहचान खो देती है। इसके विपरीत व्यक्ति समाज में रहता है पर अपनी पहचान नहीं खोता। इंसान का वन स्वतंत्र है। वह सिर्फ समाज के विकास के लिए पैदा नहीं हुआ, अपितु स्वयं के विकास के लिए भी पैदा हुआ है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि हम लोगों को समझना चाहिए कि लौकिक दृष्टि से समाज को समर्थ, सुप्रतिष्ठित, सद्धर्माधिष्ठित बनाने में तभी सफल हो सकेंगे, जब उस प्राचीन परंपरा को हम लोग युगानुकूल बना, फिर से पुनरुज्जीवित कर पाएंगे। युगानुकूल कहने का यह कारण है कि प्रत्येक युग में वह परंपरा उचित रूप धारण करके खड़ी हुई है। कभी केवल गिरि–कंदराओं में, अरण्यों में रहने वाले तपस्वी हुए तो कभी योगी निकले, कभी यज्ञ–यागादि द्वारा और कभी भगवद्–भजन करने वाले भक्तों और संतों द्वारा यह परंपरा अपने यहां चली है।

—लेखक —सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अध्येता है ।

बांग्लादेश संकट समाधान की पहल आवश्यक

—पुष्परंजन—

अगरतला स्थित बांग्लादेश वाणिज्य दूतावास पर तोड़फोड़ की घटना ने तूल पकड़ लिया है। दूतावास परिसर में प्रदर्शन, गेट तोड़ने, और झंडे का अपमान कोई भी सभ्य समाज नहीं सराहेगा। पीटीआई के अनुसार, '2 दिसंबर को अगरतला में बांग्लादेश मिशन के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया, जिससे परिसर में मौजूद लोगों में चिंता पैदा हो गई। यह रैली विश्व हिंदू परिषद से संबद्ध हिंदू संघर्ष समिति के बैनर तले निकाली गई। चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी की रिहाई, और हिन्दुओं की सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त आरिफ मोहम्मद को एक ज्ञापन सौंपा गया।' पीटीआई की रिपोर्ट से लगा नहीं, कि तोड़फोड़ की कोई घटना हुई।

जब ऐसा कुछ हुआ नहीं, तो 13 लोगों की गिरफ्तारी, असिस्टेंट कमांडेंट और तीन सब इंस्पेक्टर सस्पेंड क्यों हुए, और इसके प्रकारांतर भारतीय विदेश मंत्रालय को खेद क्यों प्रकट करना पड़ा? विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना बेहद खेदजनक है। भारत सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है।'

बांग्लादेश इस खेद प्रकाश से शांत नहीं हुआ है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर विरोध जताना और अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन को बंद कर, इस चिंगारी को भड़काने की कवायद शुरू हो गई है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने अंतरिम सरकार से आग्रह किया कि वह अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना से सहायता मांगे। ऐसा लगता है, मानो उन्हें हमारी ओर से एक गलती होने का इंतजार था। लेकिन कोलकाता में जो कुछ हो रहा है, उससे दोनों मुल्कों में डैमेज कंट्रोल की बात बेमानी हो गई। क्या बांग्लादेशी मरीजों का इलाज रोकना मानवाधिकार हनन की श्रेणी में नहीं आता है?

बांग्लादेश में सूचना–प्रसारण प्रभार एक ऐसे छात्र नेता के हाथों में है, जो शेख हसीना को देश से भगाने की श्लाघा को पचा नहीं पा रहा है। नाहिद इस्लाम लगातार भारत पर निशाना साधते रहे हैं, कि वह 'विभाजनकारी राजनीति और बांग्लादेश विरोधी बयानबाजी में लगा हुआ है। भारत का सत्तारूढ़ वर्ग अल्पसंख्यक विरोधी है।' नाहिद में नकारात्मकता इतनी ज्यादा है, कि ऐसे शख्स से डैमेज कंट्रोल की आशा नहीं की जा सकती।

लेकिन, क्या बांग्लादेश का मीडिया सहनशील, और संयमित है? क्या फर्जी खबरें वहां प्लांट नहीं की जा रहीं? पत्रकार यदि बहुसंख्यक की तानाशाही के विरुद्ध रिपोर्ट लिखें, देखिये उनका क्या हाल होता है। गुलाम रब्बानी नदीम इस साल बांग्लादेश में मारे जाने वाले दूसरे पत्रकार हैं। बांग्लादेश में ब्लॉगर्स की हत्या तो अनगिनत है। पत्रकारों को चुप कराने के लिए 'डिजिटल सुरक्षा कानून–2018' है, जिसके तहत 14 साल तक की जेल हो सकती है। इसलिए, संपादक कारावास या अपने मीडिया आउटलेट के बंद होने का जोखिम उठाने से हिचकते हैं। बांग्लादेश में सिस्टम के खिलाफ कितनी रिपोर्टें छपती हैं? आप डेली स्टार, और दूसरे अखबारों की रिपोर्टिंग का आकलन कर लीजिये। यही अखबार भारतीय मीडिया पर सवाल उठाकर अपना 'नंबर' बना रहे हैं।

बांग्लादेश में प्रेस की आजादी, 'रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर' की हालिया रिपोर्ट में देख सकते हैं। 2024 के सूचकांक में 165वें पोजिशन पर है बांग्लादेश। भारत उससे छह कदम पीछे, 159वें पायदान पर है। श्रीलंका 150वें, दक्षिण एशिया में सबसे बदतर अफगानिस्तान 178वें स्थान पर, नेपाल सबसे बेहतर 74वें स्थान पर दिखता है। 'द डेली स्टार' लगातार भारतीय मीडिया पर सवाल उठा रहा है। सही है, उठाना भी चाहिए। लेकिन, खुद के बहत्तर छेद भी पहले बांग्लादेशी मीडिया को देख लेना चाहिए। इससे हो यही रहा है, कि दोनों देश एक अघोषित मीडिया वॉर में फंस चुके हैं। आगे यह कितना विकृत रूप लेगा, कहना कठिन है।

ब्रिक्स देशों की पहल और अमेरिका

—ऋतुपर्ण दवे—

अभी अमेरिका में नए राष्ट्रपति के रूप में ट्रम्प ने शपथ नहीं ली है। लेकिन तेवर इतने घबराए हुए और अलग से हैं कि सारी दुनिया की निगाहों में हैं। वैसे भी अपनी निजी जिन्दगी में ट्रम्प को लेकर किस्से–कहानियां कम नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि ट्रम्प से पहले चुनौतियां नहीं हैं। शपथ से पहले ही बड़ी–बड़ी चुनौतियों का अंबार है। एक ओर किंम जोंग के सख्त तेवर तो दूसरी ओर यूक्रेन और रूस जंग। वहीं ताइवान और फिलीपींस में चीन का दखल, तो तेहरान के तीखे स्वर। मिडिल ईस्ट में एक और नयी जंग की संभावना से रूस और अमेरिका के बीच संभावित प्रॉक्सी वॉर की आहट भी क्योंकि यहां पिछले दिनों अमेरिका समर्थित आतंकवादी समूह ने देश के दूसरे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया है।

यह सभी डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के लिए मुश्किलों से ज्यादा कुछ नहीं होगा। इन चुनौतियों के बावजूद ट्रम्प की हालिया चेतावनी भी कुछ बड़ा संकेत दे रही है। उन्होंने भारत, चीन समेत ब्रिक्स देशों को सीधे–सीधे धमकी भी दे दी है। डॉलर का विकल्प तलाशने की कोशिश करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की चेतावनी बताती है कि अमेरिका डॉलर के विकल्प को लेकर खासा चिंतित है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि डॉलर से दूर होने की ब्रिक्स देशों की कोशिश में वो मूकदर्शक बने रहें ऐसा नहीं होगा क्योंकि यह दौर अब खध्त्म हो गया है। इतना ही नहीं उन्होंने लिखा है कि हमें इन देशों से प्रतिबद्धता की जरूरत है कि वे न तो कोई नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही ताकतवर अमेरिकी डॉलर की जगह लेने के लिए कोई अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे। यह ट्रम्प का डर है। यदि ब्रिक्स देश ऐसा करेंगे तो उन्हें बेहतरीन अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अपने उत्पाद बेचने को विदा कहना होगा। निश्चित रूप से डोनॉल्ड ट्रम्प की यह धमकी हल्की नहीं है और न ही इसे उनकी तुनक मिजाजी कहा जा सकता है। यह बहुत ही सोची–समझी रणनीतिक सोच है।

ध्यान देना होगा कि 30 अक्तूबर को यूक्रेन में रूस के युद्ध प्रयासों में मदद करने के आरोप में 19 भारतीय कंपनियों और दो भारतीय नागरिकों सहित करीब 400 कंपनियों और व्यक्तियों पर पहले ही अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसा पहली बार नहीं है कि अमेरिका ने भारतीय कंपनियों को निशाना बनाया हो। नवंबर, 2023 में भी एक भारतीय कंपनी रूस की सेना को मदद के आरोप में प्रतिबंधित हुई थी।

ट्रम्प की इस धमकी के मायने गहरे हैं। श्रीलंका का उदाहरण सामने है। वहीं उनका यह ऐलान कि अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता छोड़ना, विकासशील देशों के साथ एक तरह से आर्थिक युद्ध ही होगा। इधर आंकड़े बताते हैं कि विश्व में 62 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय ऋण अमेरिकी डॉलर मे हैं तो वैश्विक लेन–देन भी अमेरिकी डॉलर में हैं जो 88 प्रतिशत है। डोनॉल्ड ट्रम्प की मंशा कहें या एकाधिकार या दादागीरी कुछ भी वह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की जड़ों को किसी भी कीमत पर कमजोर या चुनौती से गुजरते नहीं देखना चाहते।साल 2006 में ब्राजील, रूस, भारत, चीन को मिलाकर ब्रिक्स समूह बना। साल 2010 में इसमें दक्षिण अफ्रीका शामिल हुआ। सभी देशों के अंग्रेजी के पहले अक्षर को लेकर ब्रिक्स बना। इस समूह के गठन का उद्देश्य ही दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण विकासशील देशों को एकसाथ लाना था। इसके पीछे मंशा साफ थी कि उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के रईस देशों की राजनीतिक और आर्थिक ताकघ्त को चुनौती दी जा सके। इस समूह की बढ़ती ताकत निश्चित रूप से दुनिया के दारोगा को चुभ रही होगी। इसी साल की शुरुआत में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ आने से दुनिया को ब्रिक्स समूह की ताकत का अहसास होने लगा था।

कहां इस समूह का नाम ब्रिक्स प्लस करने की चर्चाएं जोरों पर थीं कि ट्रम्प की धमकी सामने आ गई। मौजूदा ब्रिक्स समूह की संयुक्त जनसंख्या फिलहाल 3.5 अरब है जो दुनिया की कुल जनसंख्या का 45 प्रतिशत है। यदि संयुक्त अर्थव्यवस्था की बात करें तो 28.5 लाख करोड़ डॉलर की हैसियत है जो दुनिया की अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है।

ट्रंप की नाराजगी की वजह समझ आती है क्योंकि इसी साल अक्तूबर में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन व्यापार के लिए न केवल डॉलर की वैकल्पिक करेंसी की बात हुई बल्कि एक प्रतीकात्मक ब्रिक्स बैंक नोट का अनावरण भी हुआ। इस बैंक नोट पर ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के झंडे भी हैं। निश्चित रूप से इसे ही सीधे–सीधे अमेरिकी डॉलर के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा होगा। ऐसे में ट्रम्प को नए कार्यकाल में इससे अकल्पनीय आर्थिक चुनौतियां भी झलकने लगी होंगी जिससे उनकी चिंता और बढ़ी होगी।फिलहाल डॉलर ही वो मुद्रा है जो विश्व के लगभग 58 प्रतिशत विदेशी मुद्रा भंडार की प्रतिनिधि है तथा तेल जैसी प्रमुख वस्तुओं के व्यापार का अहम हिस्सा है। ट्रम्प को लगता होगा कि इससे अमेरिका का आर्थिक तिलिस्म टूट जाएगा।

खड़े ट्रक से टकराई बस, एक की मौत 11 घायल

संवाददाता–बहराइच। जिले की नानपारा लखीमपुर खीरी हाईवे पर गुरुवार की सुबह खड़े ट्रक से पंजाब से बढ़नी नेपाल जा रही बस टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस के आगे का पूरा हिस्सा उड़ गया। बस में सवार एक यात्री की मौत हो गई है। जबकि 11 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा के बाद टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। राहत बचाव कार्य शुरू कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिले की मोतीपुर थाना क्षेत्र के नानपारा– लखीमपुर खीरी हाईवे पर एक पेट्रोल पंप के पास गुरुवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया।

खड़ी ट्रक से पंजाब से बढ़नी जा रही यात्रियों से भरी बस टकरा गई। दुर्घटना के बाद चीख पुकार मच गई। मौके पर अपरा तफरी मच गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को बस से बाहर निकल गया। इसके बाद उन्हें मोतीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने लुधियाना गणपति चौक जमालपुर के रहने वाले बस में सवार यात्री मांग बहादुर 62 वर्ष को डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया। कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया

पुलिस ने बताया कि गुरुवार की सुबह यह हादसा हुआ है। पंजाब से यात्रियों को लेकर बढ़नी नेपाल बस जा रही थी पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस टकराने के बाद ट्रक भी पुलिया से जाकर टकरा गई। बस में पीछे से ठोकर मारी है। जिसमें एक यात्री की मौत हो गई है। अन्य घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकी महल में युगल सरकार को मुख्यमंत्री ने साल और चांदी के सिक्के भेंट किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामायण मेले के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हनुमान जी के दरबार हनुमानगढ़ी पहुंचे जहां पूजन अर्चन कर हनुमान जी महाराज का आशीर्वाद लिया और उसके बाद श्री राम जन्मभूमि पहुंचे जहां रामलला का दर्शन पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया श्री राम जन्मभूमि में मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास महाराज ने मुख्यमंत्रीका स्वागत कर प्रसाद भेंट किया। दर्शन पूजन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे जहां प्रभुश्री राम और माता जानकी का विवाह महोत्सव मनाया जाता है और अयोध्या में जानकी महल को माता जानकी का मायका माना जाता है और यहां मिथिला परंपरा के अनुसार माता जानकी जी का विवाह संपन्न होता है। विवाह महोत्सव राष्ट्रीय आदित्य सुल्तानिया के देखरेख में मनाया जा रहा है जानकी महल में पहुंचते ही आदित्य सुल्तानिया सहित जानकी महल परिवार ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जानकी महल गर्भगृह में विराजमान युगल सरकार को हल्दी रोली से तिलक कर युगल सरकार को विवाह महोत्सव के उपलक्ष में चांदी का सिक्का और साल भेंट किया साथ ही साथ युगल सरकार के लिए विवाह महोत्सव के लिए बनाई गई विशेष आभूषण को भी समर्पित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जानकी महल की युगल सरकार का चित्र भेंट किया गया।

भारतीय किसान यूनियन ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बहराइच। नवाबगंज ब्लॉक में भाकियू की ओर से किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यालय पर किसान पंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान बीडीओ को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन भानू गुट के जिलाध्यक्ष पतीराम चौधरी के निर्देशन में ब्लॉक अध्यक्ष लल्लन प्रसाद फौजी के नेतृत्व में पदाधिकरियों ने मुख्यालय पर किसान पंचायत का आयोजन किया। गौतम बुद्ध नगर में किसानों की ओर से किए जा रहे आंदोलन पर बल प्रयोग की कड़ी निंदा करते हुए स्थानीय किसानों को निःशुल्क बोरिंग पर घटिया सामग्री देने पर रोक लगाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच, नौबस्ता के गांव में अयोध्या प्रसाद के सामने क्षतिग्रस्त सड़क को ठीक कराने, ब्लॉक नवाबगंज के ग्राम पंचायत चरदा के मधनगरा गांव में स्कूल के पास तालाब की साफ सफाई, ग्राम पंचायत मिर्जापुर चहलवा से शहादत पुरवा की टूटी नाली की बनवाने, नवाबगंज की बंद पड़ी सभी नहरों में अविलंब पानी छोड़े जाने की मांग सहित सात सूत्रीय मांग पत्र खंड विकास अधिकारी डॉ. राहुल पांडे को सौंपा। जिला अध्यक्ष ने कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर कार्यवाही नहीं होती है, तो जिला व प्रदेश स्तर पर किसानों को मजबूरन आंदोलन को बाध्य होना पड़ेगा। इस अवसर पर किसान नेता बद्री सिंह, आसमा बेगम, लल्लन प्रसाद,छेदीराम आर्य, शहाबुद्दीन, अमेरिका प्रसाद सहित कई ने विचार रखे।

जयघोष के बीच महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का किया गया लोकार्पण

संवाददाता–देवरिया। शहर के मोहन रोड स्थित महाराजा अग्रसेन अतिथि भवन में बृहस्पतिवार को अग्रवाल समाज के कुल प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का लोकार्पण धूमधाम से किया गया। मुख्य अतिथि एवं व्यवसायी संजय केडिया ने इसका अनावरण किया। मौके पर जुटे लोगों ने कुलदेवता के बताए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया। मारवाड़ी युवा मंच की ओर से आयोजित समारोह में अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मरोदिया, आनंद झुनझुनवाला, विष्णु अग्रवाल ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच के अध्यक्ष विवेक कमानी ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। सचिव सचिन अग्रवाल, अनूप लाडिया, राहुल पोद्दार ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान किया। मौके पर आदित्य लाठ, रजत लाठ, विष्णु भगत, भरत टिबड़ेवाल ने पुरुषोत्तम मरोडिया, विष्णु अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि संजय केडिया ने प्रतिमा का विधि विधान से पूजन किया। अपने संबोधन में कहा कि अग्रवाल समाज एकजुट होकर समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए जाना जाता है। युवाओं की प्रेरणा से इसे और आगे बढ़ाया जाएगा। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच की ओर से अपने प्रकल्प अमृत जलधारा के तहत पानी के 200 घड़े निशुल्क वितरित किए गए। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, महिला जागृति, मेराकी फाउंडेशन, राहुल पोद्दार को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संचालन शरद अग्रवाल ने किया। इस दौरान अजय अग्रवाल, विकास कानोडिया, सज्जन केजरीवाल, आशीष कानोडिया सुब्रत केडिया विनीत अग्रवाल सौरभ केडिया सौरभ अग्रवाल, रजत लाठ, नवीन लाठ आदि मौजूद रहे।

ठंड के बावजूद दरगाह के नौचंदी मेले में उमड़ी आस्था

संवाददाता–बहराइच। शहर स्थित सैय्यद सालार मसऊद गाजी दरगाह में गुरुवार को नौचंदी मेला आयोजित किया गया। देश के कोने–कोने से पहुंचे जायरीन के जत्थों का कमेटी सदर सैय्यद शमसाद अहमद, प्रभारी मैनेजर हाजी अलीमुलहक ने इस्तकबाल किया। मेले में आए जायरीन ने शहर की अनारकली व चित्तौरा झील पर स्नान कर दरगाह पहुंचकर नौचंदी की रस्म अदायगी चादर व गुलपोशी कर की। बच्चों ने मेला परिसर में लगे मनोरंजन स्टालों पर लुत्फ लिया। दरगाह की अंदरूनी मस्जिद में मौलाना कारी अरशदुल कादरी ने गुरुवार भोर में फजिर की नमाज के बाद मुल्क में अमन, चैन व खुशहाली की दुआएं कीं। मौलाना मोइनुद्दीन कादरी ने कुरान ख्वानी कराई।

गिरदावर हाजी अजमत उल्ला, सदस्य दिलशाद अहमद अधिवक्ता, मकसूद अहमद रायनी, अब्दुल रहमान बच्चे भारती, इलियास अहमद शब्बू, तनवीर, आरिफ आदि ने मेले में आए जायरीन को रस्म अदायगी के दौरान मदद की। बच्चों ने मेला में मनोरंजन स्टाल पर लुत्फ उठाया, तो मेले में सजी दुकानों पर जमकर खरीद फरोख्त का माहौल रहा। सीओ सिटी रमेश पांडेय, एसएचओ शमसेर बहादुर सिंह, गल्ला मंडी पुलिस चौकी प्रभारी शिवम कन्नौजिया पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे।

धर्म बदलवाकर की शादी, नागपुर में छोड़ भागा आया युवक

संवाददाता–श्रावस्ती। मुस्लिम युवक ने हिन्दू लड़की का धर्म बदलवा कर शादी की। इसके बाद महिला को नागपुर में अकेला छोड़कर भाग आया। खोजते हुए आरोपी के घर पहुंची महिला के साथ ससुराल के लोगों ने मारपीट की। महिला की तहरीर पर मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम मिश्रपुरवा विशुनापुर निवासी तौफीक मजदूरी करने नागपुर गया था। जहां नागपुर की ही रहने वाली हिन्दू धर्म की लड़की स्वाती उसके प्रेम संबंध में पड़ गई। जिसके बाद तौफीक ने स्वाती का धर्म परिवर्तन करा दिया और वह नरगिस खान बन गई। फिर तौफीक ने उससे शादी कर दी। दोनों से एक बच्चा भी है। कुछ दिन पहले तौफीक नरगिस खान को नागपुर में कमरे पर अकेला छोड़कर भाग आया। बाद में स्वाती उर्फ नरगिस भी उसके घर को खोजते हुए आ गई। तीन दिसम्बर को महिला नरगिस से ससुरााली जनों ने मारपीट की। महिला ने इकौना थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। महिला का कहना है कि तौफीक के परिवार के लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं और जान माल की धमकी दे रहे हैं। उसका कहना है उसे छोड़ने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। महिला की तहरीर पर ससुर सफीक समेत चार लोगों के विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। क्षेत्राधिकारी सतीश चंद शर्मा ने बताया कि मारपीट के आरोपी सफीक खान पुत्र बहाऊ को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भगवान श्री कृष्ण और माता रुक्मणी का विवाह सुन मंत्र मुग्ध हुए लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। एस्सेल गुरुकुल विद्यापीठ ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री मद भागवत पुराण कथा के छठवें दिवस पर व्यास पीठ से आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने गोवर्धन पर्वत की महिमा ,जरासंध के वध का विस्तार पूर्ण वर्णन और कृष्ण रुक्मणि विवाह उत्सव का आयोजन बहुत ही धूमधाम से मनाया गया जिसमे सैकड़ों महिला पुरुषों ने कन्यादान पावपूजन किया ,विवाह उत्सव को और भी चार चांद लगाने के लिए रिश्तेदार मधुसूदन मिश्रा (कल्लू बाबा) ने कई हजारों की संख्या में वस्त्र ,कंबल और भोजन पात्र वितरण किया।

आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा जीवन को धन्य करती है प्रभु की प्रत्येक लीलाएं मनुष्य के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करती हैं लक्ष्मी स्वरूप रुक्मणी जी के विवाह की कथा के श्रवण मात्र से ही जीव का कल्याण हो जाता है।

श्री महाराज जी ने बताया कि रुक्मणी जी के आग्रह पर भगवान कृष्ण ने हरण की लीला की और कोई भी लीला मनुष्य के हम को नष्ट करती है इस लीला में भी कई लोगों के हम का प्रभु ने नाश किया और द्वारिका में रुक्मणी जी के साथ विवाह संपन्न हुआ यह कथा सुन उपस्थित सभी भक्त आनंदित हो गए। कथा में मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर महंत गिरीश दास महाराज अयोध्या धाम का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।तांत्रिक कल्लू बाबा,सूर्यभान सिंह व्यापारी दिल्ली,बृजेंद्र सिंह आगरा, दिलबहार साहनी दिल्ली,राम सिंह दिल्ली,महापौर अयोध्या के प्रिय शिष्य चंद्र कांत तिवारी अमेठी,25 साल से भंडार की अनवरत और आठ साल से बिना क्रम टूटे खिचड़ी सहभोज की सेवा दे रहे राजमणि दास सहादतगंज हनुमानगढ़ी कैंट रोड अयोध्या,कार्यक्रम संयोजक पवनेश पाण्डेय, सह संयोजक अखिलेश पाण्डेय शिवाकांत तिवारी कपिल,भोलाशंकर शुक्ला ,विनय पाण्डेय,रामाकांत दूबे,दान बहादुर पांडे, नंदीग्राम के सभासद रामकृष्ण पांडे सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

चिकित्सकों की कमी बन रही पशुओं के इलाज में बाधा

संवाददाता–गोण्डा। बदलते दौर में मनुष्यों की तरह बेजुबान भी तरह–तरह की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। जिले में चिकित्सकों और स्टाफ की कमी के चलते बेजुबानों का इलाज कराने में लोगों को काफी दुश्वारी हो रही है। इस संबंध में विभागीय अफसर भी हीलाहवाली बरत रहे हैं। सदर तहसील तहसील में 13 पशु अस्पताल और 15 पशु सेवा केंद्र संचालित है। इनमें सिर्फ पांच चिकित्सक ही तैनात हैं। आठ चिकित्सकों के पद रिक्त हैं। जबकि दो पशु सेवा केंद्र अस्थाई, भवनियापुर खुर्द पर पशुधन प्रसार अधिकारी की तैनाती नहीं है। विभागीय पशुओं के आंकड़ों पर गौर करें तो चिकित्सक, फार्मासिस्ट सहित अन्य स्टाफ की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है। पांच चिकित्सकों पर 41 गौ आश्रय स्थल की निगरानीरू सदर तहसील क्षेत्र के 40 गौआश्रय स्थल और एक काजी हाउस संचालित है। इनमें रखे गए छुट्टा मवेशियों की स्वास्थ्य प्रशिक्षण की जिम्मेदारी सिर्फ पांच चिकित्सकों के कंधे पर है। इन गौशालाओं में करीब 6172 मवेशी हैं। बताया जाता हैं कि झंझरी में आठ गौशालाओं में करीब 18 सौ मवेशी संरक्षित हैं। पड़री कृपाल ब्लॉक क्षेत्र की सात गौशालाओं में 650 और रूपईडीह क्षेत्र में सात गौशाला में करीब 1212 मवेशी रखे गए हैं। मुजेहना ब्लॉक के 11 गो आश्रय स्थल में करीब 1450 मवेशी हैं। वहीं इटियाथोक क्षेत्र में सात गौशाला और एक काजी हाउस संचालित हैं। इनमें करीब 1105 मवेशी रखे गए हैं। हालांकि विभागीय अधिकारियों का दावा है कि सभी मवेशियों को समय से इलाज मुहैया कराया जाता हैं। झंझरी ब्लॉक क्षेत्र के लोगों को अपने पालतू जानवरों के इलाज को लेकर बड़ी परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों के रोस्टर के हिसाब से चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई जाती हैं। इसकी वजह से कभी कभार डाक्टर ही मिल पाते हैं। सदर पशु अस्पताल में पशुओं के इलाज की जिम्मेदारी डिप्टी सीवीओ पर है। जबकि राम नगर तरहर पशु अस्पताल पर पशु चिकित्सक डॉ. अनिल वर्मा की तैनाती हैं। उन्हें दो अन्य पशु अस्पताल संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डॉ राकेश कुमार तिवारी ने कहा कि पशु अस्पताल में चिकित्सकों सहित अन्य स्टाफ की कमी बड़ी समस्या है। इन अस्पतालों में तैनात चिकित्सकों पर काम का बोझ अधिक रहता है। चिकित्सकों की कमी जानकारी आला–अफसरों को कई बार दी गई है।

पत्नी से बात करने के बाद युवक ने लगाई फांसी

संवाददाता–गोण्डा। कोतवाली देहात थानाक्षेत्र में बुधवार रात एक युवक ने पत्नी से बात करने के बाद फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। युवक दो दिन पहले ही दिल्ली से घर आया था। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के लौव्वा टेपरा गांव निवासी 20 वर्षीय सन्तराम पुत्र बाबू लाल ने बुधवार रात करीब एक बजे घर मे कमरे में फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। बड़े भाई धनलाल ने बताया कि युवक की शादी 12 जुलाई को हुई थी। एक माह पूर्व ही वह दिल्ली गया था। वहां पर मार्बल का काम करता था। दो दिन पूर्व ही दिल्ली से घर लौट कर आया था। उसकी पत्नी काजल अपने मायके गई थी। पत्नी को घर लाने के लिए उसके भाई को गुरुवार को जाना था। इसी बीच रात में सन्तराम अपनी पत्नी काजल से बात करने के बाद फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस संबंध में विवेचकध्उप निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि युवक बाइक से अपनी पत्नी को लाने जा रहा था। इसी बीच बाइक की चेन टूट गई और उसने कमरे में जाकर फंदे से लटककर जान दे दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

पूरे शिवा बख्तावर में जलने न पाए कूड़ा –मंडलायुक्त

संवाददाता–गोंडा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार की शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर व डीएम को शहर में साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के दिए थे। इस पर गुरुवार सुबह अफसरों ने शहर में साफ–सफाई व्यवस्था का जाजया लिया। इस दौरान कुछ जगहों पर सफाई व्यवस्था खराब मिलने पर आयुक्त और डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। पूरे शिवा बख्तावर में मुआयने के दौरान आयुक्त ने निर्देश दिए कि यहां कूड़ा किसी भी हालत में जलने न पाए।

गुरुवार तड़के आयुक्त, डीआईजी, डीएम नेहा शर्मा शहर ने पुरानी सब्जी मंडी, चौक बाजार, भरत मिलाप चौराहा, पूरे शिवा बख्तावर, पंतनगर की सड़कों पर भ्रमण कर साफ सफाई व्यवस्था की हकीकत परखी। अफसरों ने शहर के कई स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को कई स्थानों पर तो उचित साफ सफाई मिली। वहीं, कहीं जगह पर कूड़े का ढेर मिला। आयुक्त ने संबंधित क्षेत्र के सफाई कर्मचारी एवं सफाई नायकों को निर्देश दिए हैं कि शहर के सभी वार्डों में सफाई का कार्य, कूड़ा कलेक्शन समय से कराया जाए। इसके साथ ही सफाई कर्मचारी एवं अन्य लोगों को कूड़े को ना जलाने के लिए जागरूक किया जाए।

संतों की मणि माला में अद्वितीय संत थे दोनों आचार्य –रामप्रिया शरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। वैष्णो नगरी अयोध्या संतो की सराय के रूप में जानी जाती है और यहां आने को भजनानंदी संत हुए हैं जिन्होंने भक्ति और प्रेम रूपी शस्त्र के माध्यम से बड़े–बड़े विद्वानों को भी पिछड़ दिया है। यह भूमि भजन सेवा और तपस्या के लिए जानी जाती है कौन क्या है यह महसूस नहीं होता लेकिन तपस्या और भजन के बल पर लोहा मनवाने वाले संतों की कमी भी अयोध्या में नहीं है। अगर कोई प्रेम से मांगता तो सब कुछ न्योछावर कर देने वाली यह नगरी बड़े–बड़े विद्वानों के अहम को भी चकनाचूर किया है इन्हीं संतो की मणि माला में रसमोद कुंज अनंत श्री से विभूषित साकेत वासी श्री विरौली सरकार और साकेत वासी 1008 श्री सियाछबीली शरण भैया जी महाराज महाराज की पुण्यतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई गई अयोध्या के संतो महंतों ने दोनों आचार्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की।इसअवसर पर रसमोद कुंज के वर्तमान महंत रामप्रिया शरण गिरधारी जी महाराज ने बतायाकि दोनों सरकार प्रभु श्रीराम के अनंत भक्त थे और हमेशा उन्हीं के रस में लीन होकर के पदों का गान किया करते थे आज भी उनके द्वारा रचित पद अयोध्या ही नहीं बल्कि पूरे देश के धार्मिक उत्सव में गाए जाते हैं।श्रद्धांजलि सभा में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास के शिष्य उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास , लक्ष्मण किला के महंत मैथिली रमण शरण , पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत मिथिलेश नंदनी शरण महंत अर्जुनदास, श्री राम आश्रम के महंत जय रामदास, महंत राम मिलन शरण,महंत सत्येंद्र दास वेदांती, महंत छोटू शरण, महंत प्रियाप्रीतम शरण, महंत रामलोचन शरण, महंत महेश शरण, महंत रामकिशोर दास, महंत रामनरेश शरण, नागा रामलखन दास सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। नगर पंचायत लार के बौली वार्ड में रामजानकी मार्ग पर गुरुवार की शाम पिकअप की ठोकर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में बाइक पर सवार दूसरा युवक गम्भीर रुप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। शहाबुद्दीन (25) पुत्र ईशा निवासी पिपरा बांध थाना मईल बाइक अपने गांव की तरफ जा रहे थे। रास्ते में उनसे लिफ्ट लेकर संतोष सिंह (30) पुत्र अर्जुन सिंह निवासी रोपन छपरा थाना लार भी बैठ गए। बाइक अभी बौली वार्ड के सामने राम जानकी मार्ग पर पहुंची की पिपरा चौराहा की तरफ से तेज रफ्तार से जा रही पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दिया। पिकअप की ठोकर लगने से बाइक सवार शहाबुद्दीन (25) पुत्र ईशा निवासी पिपरा बांध थाना मईल की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार संतोष सिंह (30) पुत्र अर्जुन सिंह निवासी रोपन छपरा थाना लार गम्भीर रुप से घायल हो गए। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर भाग गया। पिकअप पर बैठे दूसरे सहयोगी को आसपास के लोगों ने पकड़ लिया। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डाक्टर अवनेंद्र सिंह ने शहाबुद्दीन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस जुटी है।

सड़क हादसों में बालिका समेत पांच लोग घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया थाना क्षेत्र में हुई अलग अलग सड़क दुर्घटना में बालिका समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सिरसिया के सुतईपुरवा निवासी नीलम (7) अपनी मां के साथ तकिया गांव मे रिश्तेदारी में आई थी। गुरुवार को मां बेटी दोनों टेम्पो से कशियापुर गांव जाने के लिए निकली थी। कोयलहवा गांव के पास आहलादनगर मार्ग पर उतरते ही बाइक चालक ने नीलम को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। लोगों ने बालिका को सीएचसी सिरसिया में भर्ती कराया। जहां से उसे रेफर कर दिया गया। इसी तरह जनपद बलरामपुर के लालनगर सिपहिया निवासी आकाश नईमी बाइक से जोखवा बाजार आ रहा था। विभूतिनाथ मंदिर के मुख्य गेट के पास पहुंचते ही घोलिया गांव निवासी कामेश्वर के बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में दोनों घायल हो गए। जिन्हें सीएचसी सिरसिया में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मिनगा रेफर कर दिया गया।

गन्ना लदे ट्राला से दबकर किशोर की मौत

संवाददाता–देवरिया। भाटपारारानी के खामपार थाना क्षेत्र में गुरुवार को गन्ना लदे ट्राला के नीचे दबकर 16 वर्षीय किशोर प्रदीप कुशवाहा की मौत हो गई। खामपार थाना क्षेत्र के कुकुर घाटी देशी शराब की दुकान के समीप गुरुवार को गन्ना लदे ट्राला से दबकर एक किशोर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद गन्ना लदा ट्राला छोड़कर चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस शव को ट्राला से बाहर निकाली और पहचान के बाद परिजनों को सूचना दी। मौत की सूचना पाते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने शव को पीएम में भेज दी। मृतक किशोर गांव के ही परिषदीय जूनियर हाई स्कूल में कक्षा 7 में पढ़ता था। वह दो भाइयों में सबसे छोटा और माता–पिता का दुलारा पुत्र था। थानाध्यक्ष खामपार महेंद्र चतुर्वेदी ने बताया है कि किशोर के शव को पीएम में भेज दिया गया है। अभी कोई घटना की तहरीर नहीं आई है। ट्रैक्टर चालक की तलाश में पुलिस जुटी है।

सौ मीटर की दौड़ में शाहजहां खातून रही अव्वल

संवाददाता–देवरिया। विकास खंड लार के स्वामी देवानंद इंटर कॉलेज मठ लार में उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग ब्लाक स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिला युवा कल्याण अधिकारी पुनीत कुमार ने बताया कि सब जूनियर 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में शाहजहां खातून ने प्रथम, ज्योति यादव ने द्वितीय और प्रियंका कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सब जूनियर 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में उमाशंकर यादव प्रथम, अनुभव कुमार द्वितीय और हेमंत कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 800 मीटर दौड़ जूनियर बालिका वर्ग में प्रियंका कुमारी ने प्रथम, ज्योति यादव ने द्वितीय और अंजलि ने तृतीय स्थान हासिल किया। सीनियर पुरुष वर्ग के 1500 मीटर दौड़ में अंकित यादव ने प्रथम, गोलू कुमार ने द्वितीय और अंकित प्रजापति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल सीनियर पुरुष वर्ग में गढ़वा खास की टीम ने विजेता का खिताब जीता, जबकि उकिना की टीम उपविजेता रही। कबड्डी सब जूनियर बालिका वर्ग में मठ लार की टीम विजेता रही और खोमादई की टीम उपविजेता बनी।

अयोध्या में जो बाबर ने किया वही संभल में हुआ, बांग्लादेश में भी वही हो रहा –सीएम योगी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में चार दिवसीय रामायण मेले का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। पांच से आठ दिसंबर तक सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में गीत–संगीत व अध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहमान होगी। सीएम सुबह अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी व रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई। जानकी महल ट्रस्ट में चल रहे विवाहोत्सव में भी सीएम के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की पावन पूरी में से प्रथम पूरी है। हजारों वर्षों से विश्व मानवता का मार्ग अयोध्या ने प्रशस्त किया। अयोध्या एक ऐसी भूमि जहां कोई युद्ध करने का साहस नहीं कर सकता। कहा कि पिछले वर्ष जनवरी में पीएम मोदी के हाथों 500 वर्षों के संघर्ष के बाद रामलला फिर से प्रतिष्ठित हुए। पीएम ने अयोध्या के नागरिकों के प्रति अपना अनुराग व्यक्त किया था। अयोध्या ने उनके साथ न्याय नहीं किया। लेकिन, श्रीराम ने हर प्रकार का संरक्षण दिया। कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक रूप से विश्व में आगे बढ़ रहा है। रामायण सीरियल को लोग देखने के लिए एक घंटे टीवी के सामने बैठते थे। डॉक्टर लोहिया ने रामायण उत्सव कार्यक्रम देश में प्रारंभ किए थे। जिसके मन में राम और जानकी के प्रति समर्पण नहीं है, उनको त्याग देना चाहिए। सीएम ने कहा कि डॉ लोहिया राजीनीति में आदर्शवादी थे। समाजवादी पार्टी परिवारवादी है। अपराधी गुंडों के संरक्षण के बिना यह उसी तरह तड़पते हैं, जैसे पानी बिना मछली। लोहिया के नाम पर राजनीति करेंगे लेकिन उनके आदर्श नहीं मानते।

रामायण मेला समिति के संयोजक आशीष मिश्र ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी रामायण मेला में न सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम होंगे, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। रामायण मेले में चार दिनों तक कथा, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक गायन, नृत्य नाटिका आदि की प्रस्तुति होगी। संस्कृति विभाग के विभिन्न जिलों के 20 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। साथ ही चार दिनों तक अलग–अलग कथा प्रवाचकों की ओर से रामकथा का प्रवचन भी किया जाएगा। सीएम ने कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले अयोध्या कुंभ में बाबर के आदमी ने क्या किया था? संभल में भी यही हुआ था। बांग्लादेश में भी यही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और डीएनए एक ही है। अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है, तो वही तत्व यहां भी आपको सौंपने के लिए इंतजार कर रहे हैं। कहा कि उन्होंने सामाजिक एकता को तोड़ने का पूरा इंतजाम कर रखा है। ये बातें करने वाले कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी विदेशों में संपत्ति है। अगर यहां कोई संकट आया, तो वे भाग जाएंगे। दूसरों को मरने के लिए यहीं छोड़ देंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर संकटमोचन हनुमानजी के दर्शन–पूजन कर आरती उतारी। हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन के उपरांत सीएम योगी ने रामलला के दर्शन–पूजन किए। रामलला के मंदिर में साष्टांग दंडवत होकर प्रभु श्रीराम से प्रदेशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां हो रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

प्रख्यात समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की परिकल्पना पर पहले चित्रकूट और बाद में अयोध्या में रामायण मेले का आयोजन शुरू किया गया था। कांग्रेस शासन में तत्कालीन सीएम श्रीपति मिश्र ने 1982 में अयोध्या के रामायण मेला का उद्घाटन किया था। इसके लिए रामायण मेला समिति को व्यवस्था और संतों के प्रवचन आदि के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई। सरकारी तौर पर तभी से संस्कृति विभाग अपने फंड से सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रामलीलाओं के प्रस्तुतीकरण का दायित्व उठाता आ रहा है।

पात्रों को समुचित लाभ दिलाना लक्ष्य –सत्यबीर सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण तथा अन्त्योदय योजना के कार्डधारकों को प्रति कार्ड 3 किग्रा चीनी ई–पॉस मशीनों के माध्यम से कराये जाने के निर्देष दिये गये है। जिसके क्रम में उचित दर विक्रेताओं द्वारा कार्डधारकों को पर्ची उपलब्ध कराते हुए अन्त्योदय कार्डधारक को चीनी, 17 किग्रा गेहूँ एवं 18 किग्रा चावल (कुल 35 किग्रा) का निःशुल्क वितरण किया जायेगा।

पात्र गृहस्थी कार्डधारको को प्रति यूनिट 2.30 किग्रा गेहूँ एवं 2.70 किग्रा चावल (कुल 5 किग्रा) का निःशुल्क वितरण किया जायेगा।

जानकारी देते हुए जिला पूर्ति अधिकारी सत्यबीर सिंह ने बताया की वितरण से सम्बन्धित समस्या आने पर तहसील में तैनात पूर्ति निरीक्षक, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, उप जिलाधिकारी तथा जिला पूर्ति अधिकारी से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर अपनी समस्या का समाधान करा सकते है।

बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी, सौंपी जिम्मेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय हर्रैया के परिसर में होने वाली दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता की तैयारियां गुरुवार को पूरी हो गई हैं। खंड शिक्षा अधिकारी हर्रैया विजय आनंद द्वारा प्रतियोगिता को संपन्न करने के लिए शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह जानकारी देते हुए क्रीड़ा प्रतियोगिता के मीडिया प्रभारी वीश कुमार मिश्र ने बताया कि गुरुवार शाम तक फील्ड निर्माण और अन्य सभी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। खेल प्रभारी सर्वदेव सिंह के नेतृत्व में अनुदेशक, अनुचर और अन्य के द्वारा पिछले दस दिन के कठिन परिश्रम से फील्ड निर्माण कराया गया है। शुक्रवार को प्राथमिक स्तर तथा शनिवार को उच्च प्राथमिक स्तर के खेल कराए जाएंगे। खेल आयोजन समिति, स्वागत समिति, भोजन समिति, लेखा समिति, संचालन समिति, विभिन्न खेलों की समिति आदि समितियों में ब्लॉक के एआरपी, शिक्षक संघ के पदाधिकारी और अन्य शिक्षकों तथा कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंप गई हैं। प्रतियोगिता में ब्लॉक के सभी 11 न्याय पंचायत के ऐसे खिलाड़ी और टीमें प्रतिभाग करेंगी जो न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता हुई हैं। प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे। दौड़, खो – खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, योगा, लंबी कूद, ऊंची कूद, समूहगान, लोकनृत्य, राष्ट्रीय एकांकी आदि विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में जो खिलाड़ी जीतेंगे वह जिले स्तर पर होने वाली बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

चलाया गया अवैध लाउडस्पीकर उतारने का विशेष अभियान, जनता से सहयोग की अपील

संवाददाता–गोरखपुर। गुरुवार को जिले में धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों से लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तार हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। डीएम कृष्णा करुणेश व एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर की अगुवाई में चले अभियान के दौरान अधिकारियों ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों का दौरा किया और धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकरों की जांच की। इससे साथ ही, संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि जहां भी तेज आवाज में लाउडस्पीकर बज रहा है उसे हटवाने के साथ ही संबंधित के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करें।इससे पहले भी पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर अवैध लाउडस्पीकरों को हटवाया था, लेकिन कुछ स्थानों पर लाउडस्पीकर बजने की शिकायत मिल रही थी। गुरुवार को यह चेकिंग सुबह चार बजे शुरू हुई, डीएम कृष्णा करुणेश और एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों थाना क्षेत्रवार निरीक्षण किया।इस दौरान सभी सीओ (सर्कल ऑफिसर) और थाना प्रभारी भी अपनी टीमों के साथ मौजूद थे। चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने चेतावनी दी कि धार्मिक स्थलों पर बिना अनुमति के लाउडस्पीकर लगाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया कि ध्वनि प्रदूषण से बचने के लिए सभी धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज का स्तर निर्धारित मानकों के अनुसार होना चाहिए।

डीएम कृष्णा करुणेश और एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने जनता से अपील की कि वे अगर किसी भी स्थान पर अवैध लाउडस्पीकर बजते हुए देखें, तो तत्काल संबंधित पुलिस स्टेशन या प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन की यह पहल नागरिकों की सुविधा और शांति बनाए रखने के लिए की जा रही है।

बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती में जुट जाएं सपा कार्यकर्ता

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी बांसी विधानसभा क्षेत्र की मासिक बैठक गुरुवार को नगर कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। पूर्व विधायक व सपा जिला अध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करें। मोनू दूबे ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार जनविरोधी है यह सिर्फ समाज को बांटकर सत्ता पर काबिज रहना चाहती है। नगर पालिका अध्यक्ष चमन आरा ने कहा कि भाजपा की सरकार देश में नफरत फैलाने का काम कर रही।

पूर्व नपा अध्यक्ष मो इदरीश पटवारी ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी एकजुट होकर पार्टी व संगठन को मजबूत करने का काम करें। बैठक को कृष्ण कुमार त्रिपाठी, राजेश पासवान आदि ने संबोधित किया। सपा नगर अध्यक्ष कपिलदेव, सभासद शाकिर अली, अरुण गुप्ता, रिजवान अहमद सब्बू, महताब आलम, राधेश्याम जायसवाल आदि मौजूद रहे।

तेज गति से चल रही पछुआ हवाएं, गलन बढ़ी

संवाददाता–संतकबीरनगर। तेजी से चल रही पछुआ हवाओं ने जिले में पूरी तरह से गलन पैदा कर दिया है। दिन में धूप निकली, इसकी वजह से दोपहर में गलन से थोड़ी राहत मिली, लेकिन शाम होते ही गलन बढ़ने लग रही है।

मैदानी इलाका में पूरी तरह से ठंडक फैल रही है। ठंडक बढ़ने की वजह से रजाई गद्दा के साथ– साथ जैकेट निकल आई हैं। वातावरण से गर्माहट कम होती जा रही है। वाहन पर चलने पर गलन का एहसास होता रहा है।

ठंडक की वजह से शाम का तापमान इतना कम हो जा रहा है कि गांव में लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह दस बजे तक और शाम चार बजे के बाद से ही गलन शुरू हो जा रही है। घर के बाहर बैठने पर भी हवाएं ठंडक का एहसास दिला रही हैं। बाइक से दिन के सफर में हवाएं ठंडक का एहसास करा रही हैं। दिनों दिन तापमान में भी कमी आ रही है। अधिकतम तापमान भी गिरकर 27 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। न्यूनतम तापमान भी 13 डिग्री सेल्सियस पर ठहरा हुआ पास आ गया है। रात में तापमान में तेजी से कमी आने की वजह से लोगों को कपकपी लग रही है। मोटे कंबल और रजाईयां ही लोगों को ठंडक दूर कर रही हैं। ठंडक वाली बीमारियां भी बच्चों को खूब पकड़ रही हैं। यह मौसम स्कूली बच्चों को और प्रभावित कर रहा है।

सुबह के समय बच्चों को स्नान करने के लिए गर्म पानी की जरूरत पड़ रही है। नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर अमरनाथ मिश्र ने बताया कि आगामी 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। हवाएं पश्चिमी दिशा से चलेंगी। ठंडक और बढ़ने के आसार हैं। मौसम के मिजाज को देखते हुए ही लोगों को काम करने की जरूरत है।

विधायक ने कृषि मंत्री से की सुविधा बढ़ाने की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। विधायक विनय वर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र में कृषि सुविधा को बढ़ाने के लिए पत्र सौंपा। मंत्री ने किसी एक परियोजना की स्वीकृति देने का आश्वासन दिया। विधायक ने बताया कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र नेपाल से सटा हुआ है। विश्वप्रसिद्ध काला नमक चावल का उत्पादन क्षेत्र भी है। उन्होंने सीएआर का एक केंद्र, कृषि सखी या ड्रोन दीदी का प्रशिक्षण केंद्र, मृदा परिक्षण केंद्र, कृषि विश्वविद्यालय से जुड़ा कोई संस्थान, 5000 एमटी का उर्वरक भंडारण केंद्र, काला नमक चावल व अन्य फसलों के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस केंद्र, किसान कल्याण केंद्र कृषि ज्ञान केंद्र, कृषि बीमा का सौ फीसदी आच्छादन प्रोग्राम, कोल्ड स्टोरेज भण्डारण एरिया का विस्तार व आच्छादन के लिए परियोजना देने की मांग की। कृषि मंत्री ने मांगों में से किसी एक परियोजना को विधानसभा क्षेत्र में देने का आश्वासन दिया।

गांवों में गुणवत्तापूर्ण कार्य कराएं, पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाएं यही होगी सच्ची श्रद्धांजलि

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन की ओर से संगठन के संस्थापक स्व. महावीर दत्त शर्मा की 16वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को विकास भवन के आंबेडकर सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इसमें डीएम, सीडीओ समेत सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने कहा कि सभी ग्राम प्रधान अपने ग्राम पंचायत में विकास के कार्य गाइडलाइन के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कराएं व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाएं यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत में आरआरसी सेंटर, अन्नपूर्णा भवन, मिनी स्टेडियम, पार्क एवं लाइब्रेरी आदि का निर्माण कार्य ग्राम प्रधानों की ओर से कराया जा रहा है, इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। गांव को स्वच्छ व सुंदर बनाने में ग्राम प्रधानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए गांव का कूड़ा कचरा आरआरसी सेंटर में एकत्रित कराएं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत में कुछ अलग से बेहतर कार्य करें जिसका अनुकरण दूसरे जिले के लोग करें जिससे प्रदेश में एक अच्छा संदेश जाए।

डीएम ने ग्राम प्रधानों से अपील की कि ग्राम पंचायत में कराए गए कार्यों,खर्च का मास्टर रजिस्टर बना लें जिससे कभी भी पता चल सके कि कौन सा कार्य कब हुआ और कितनी धनराशि खर्च हुई। ग्राम प्रधानों की जो समस्या है उसको प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। यदि कहीं कोई समस्या होती है तो सीडीओ या मुझे बता सकते हैं। सीडीओ जयेंद्र कुमार ने कहा कि ग्राम पंचायत में जनता की सेवा, गांव के विकास के लिए ग्राम प्रधान संगठन के संस्थापक द्वारा यह संगठन बनाया गया। साथ ही ग्राम प्रधानों के अधिकारों को सुरक्षित किया गया। सभी ग्राम प्रधान उनके आदर्शों को अपनाकर गांव के विकास में अपना योगदान देकर उनके उद्देश्य को पूरा करें यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि सभा में डीपीओआरओ पवन कुमार, ग्राम प्रधान संगठन के मंडल अध्यक्ष व्यास पाण्डेय, जिला संगठन मंत्री नीरज सिंह, जिलाध्यक्ष पवन मिश्र आदि मौजूद रहे।

सरकार की तरफ से निशुल्क, खुद मृदा परीक्षण कराने पर देनी होगी रकम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले की मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी है। कमी तो लगभग सभी ब्लॉकों में है लेकिन नौ ब्लॉकों में कुछ ज्यादा ही है। शासन की ओर से हर साल मृदा परीक्षण कराया जाता है लेकिन सभी गांवों का नहीं। ऐसे में जिन्हें खुद अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण करना होता है उन्हें धन देना होता है। इसके लिए 20 से 120 रुपये निर्धारित है। जिले में 14 ब्लॉक हैं इनमें से नौगढ़, शोहरतगढ़, भनवापुर, खुनियांव व जोगिया ब्लॉक की मिट्टी बाकी नौ ब्लॉकों की अपेक्षा बेहतर है। जिले की मिट्टी में नाइट्रोजन के साथ पोटाश, सल्फर, जिंक, लोहा, बोरोन तत्वों की भी कमी है इससे जितना उत्पादन होना चाहिए वह नहीं हो पा रहा है। पोषक तत्वों की कमी का कारण जैविक खाद का प्रयोग न होना, रासायनिक खादों का अंधाधुंध प्रयोग किया जाना, खेतों में पराली जालाया जाना आदि शामिल है। सरकार की ओर कोशिश की जा रही है कि मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी का पता लगाकर समस्या का समाधान किया जा सके लेकिन मुश्किल यह है कि इसके लिए चंद ब्लॉकों का ही चयन किया जाता है। उस ब्लॉक के चंद किसानों के खेतों की मिट्टी का परीक्षण किया जाता है इससे चयनित ब्लॉकों के भी सभी किसानों के खेतों का मृदा परीक्षण नहीं हो पाता है। किसान अगर खुद अपने खेत की मिट्टी का मृदा परीक्षण कराना चाहता है तो उसे निर्धारित फीस देनी पड़ती है। एनपीके व फासफोरस की जांच के लिए 20 रुपये देने होते हैं जबकि कंपलीट (सभी बारह पैरामीटर) पर जांच कराने वाले किसानों को 120 रुपये अदा करने होते हैं। अरविंद कुमार विश्वकर्मा, उप कृषि निदेशक ने कहा कि शासन जब मृदा परीक्षण कराता है तो इसके लिए कोई फीस नहीं ली जाती है। अगर कोई किसान व्यक्तिगत रूप से मृदा परीक्षण कराना चाहता है तो इसके लिए जांच फीस निर्धारित है।

निकली रामलीला शोभा यात्रा, मनमोहक झांकियां

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी में सार्वजनिक रामलीला समिति के तत्वावधान में कस्बे मे स्थित रामलीला मैदान में आयोजित चार दिवसीय ऐतिहासिक रामलीला मंचन से पूर्व गुरुवार को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बाजे गाजे के साथ रामलीला मैदान से निकाली गई शोभायात्रा। शोभायात्रा नगर के डाक खाना रोड गोला बाजार, माल गोदाम, मुडिला, बस स्टाप तिराहा आदि स्थानों से होकर पुन वापस रामलीला मैदान पहुंचा। रामलीला समिति के प्रबंधक भानु प्रताप सिंह ने बताया कि शोभायात्रा में राम लक्ष्मण सीता हनुमान व भगवान शंकर पार्वती की सुसज्जित झांकियां सभी को अपनी तरफ आकृष्ट कर रही थीं। वृंदावन के कलाकारों की ओर से रामलीला जीवंत मंचन छह, सात, आठ दिसंबर को किया जाएगा। इस दौरान राज कुमार अग्रहरि, मनोज पांडे, पंकज चतुर्वेदी, नितेश रौनियार, भोला यादव, दुर्गेश पांडेय, संजय जयसवाल, रवि कमलापुरी आदि लोग उपस्थित रहे।

वशिष्ठ कुंज आवासीय योजना फेज वन की हुई लान्चिंग

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली वशिष्ठ कुंज आवासीय योजना की लॉन्चिंग गुरुवार को विकास प्राधिकरण के सभागार में प्राधिकरण के अध्यक्ष व कमिश्नर गौरव दयाल ने लॉन्चिंग की। वशिष्ठ कुंज आवासीय योजना लखनऊ हाईवे पर फिरोजपुर उपरहार गांव के पास स्थित है। वशिष्ठ कुंज आवासीय योजना कम से कम 10 लाख 49 हजार रुपए व अधिकतम 64 लाख 64 हजार के प्लॉट का आवंटन किया जायेगा अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विन पांडेय ने बताया कि यहां मकान, पार्क अस्पताल व पुलिस स्टेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी व एचआईजी के भूखंड होंगे। प्लॉट का आवंटन लॉटरी के माध्यम से होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी मैमूनिशा पत्नी स्वर्गीय अली अहमद ग्राम– संसारपुर फुटहिया पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती की निवासिनी हूं। कुछ अभिलेखों में त्रुटिवश मेरा नाम MAIMUNNISHA के स्थान पर MAMUNNISHA हो गया है जो गलत है। मेरे सभी अभिलेख मैमूनिशा MAIMUNNISHA के नाम से हैं। त्रुटि सुधार किया जाय।

अदालती नोटिस

न्यायालय स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्णवाद संख्या 129/2020
न्यायालय– प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
श्रीमती लक्ष्मी उर्फ विजय लक्ष्मी
बनाम
रामकृष्ण आदि

1. रामकृष्ण पुत्र रामजतन द्विवेदी साकिन गोसियारी तप्पा व पो0 गोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
2. स्टेट आफ0 यू0पी0 द्वारा जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर
3. इस्टेट

तारीख पेशी 12–12–2024

अपने मृत रामजतन को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि श्रीमती लक्ष्मी उर्फ विजय लक्ष्मी आदि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 12 के 12 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा .10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला–सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2024 के 12 के 05 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–559/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
धर्मात्मा प्रसाद
बनाम
श्रीमती कलावती आदि

1. श्रीमती कलावती उम्र 50 साल पत्नी रामपत साकिन कैथलिया तप्पा गासियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. श्रीमती प्रमिला उम्र 28 साल पत्नी प्रेमचन्द्र निवासी बांसखोरखुर्द तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रुधौली जिला–बस्ती
3. गौरी शंकर उम्र 85 साल पुत्र स्व0 गंगा प्रसाद साकिन बांसखोरखुर्द तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रुधौली जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 29–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुछ उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब देसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सरकारी अस्पतालों में तैनात सुरक्षा गार्ड्स को सेवा समाप्ति का नोटिस, हंगामा कर किया प्रदर्शन

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में सरकारी अस्पतालों में तैनात 160 सुरक्षा गार्ड्स को सेवा समाप्ति का नोटिस दिया गया है। मैन पावर सप्लाई करने वाली आईटी वर्ड सुल्तानपुर ने सुरक्षा गार्ड्स को सेवा समाप्ति का नोटिस दिया है। नौकरी जाने की बात आई तो सुरक्षा गार्ड्स ने जिला अस्पताल में प्रदर्शन किया। सुरक्षा गार्ड्स ने कहा कि जब निकालना ही था तो भर्ती क्यों किया था? उन्होंने कंपनी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। कंपनी की तरफ से दिए गए नोटिस में हवाला दिया गया है कि सीएमओ ऑफिस से पत्र जारी हुआ है। सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा गार्ड्स की तैनाती उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल प्रकीर्णवाद सं0 151/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय
बस्ती जिला–बस्ती
भूपति किशोर (मृतक)
बनाम
बरसाती (मृतक)

4. मो0 इस्माइल उम्र 38 साल पुत्र बरसती साकिन रतास उर्फ कप्तानगंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–12–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com